RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
सितम्बर
28
2024

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors
13. Index

By Ankit Avasthi Sir

उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (HPC) प्रणाली

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में **पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय** द्वारा अधिग्रहित **उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (HPC) प्रणाली** का उद्घाटन किया है। इस परियोजना में लगभग **850 करोड़ रुपये** का निवेश किया गया है, जिसका उद्देश्य **चरम मौसम घटनाओं** और **जलवायु पूर्वानुमान** में सुधार लाना है। यह प्रणाली **भारत की कम्प्यूटेशनल क्षमताओं** में एक बड़ा कदम है और इसे दो प्रमुख स्थलों पर स्थापित किया गया है:

1. **भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM), पुणे**
2. **राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र (NCMRWF), नोएडा**

प्रणालियों की विशेषताएँ:

- ✓ **IITM में स्थापित प्रणाली की क्षमता: 11.77 पेटाफ्लॉप्स** और **33 पेटाबाइट स्टोरेज**
- ✓ **NCMRWF में स्थापित प्रणाली की क्षमता: 8.24 पेटाफ्लॉप्स** और **24 पेटाबाइट स्टोरेज**
- ✓ **AI और मशीन लर्निंग के लिए समर्पित प्रणाली की क्षमता: 1.9 पेटाफ्लॉप्स**

इस परियोजना के तहत, भारत की कुल कंप्यूटिंग शक्ति **22 पेटाफ्लॉप्स** तक बढ़ गई है, जो पहले **6.8 पेटाफ्लॉप्स** थी। इस उन्नति से मौसम और जलवायु के क्षेत्र में **विश्वसनीय और सटीक पूर्वानुमान** करने में उल्लेखनीय सुधार होगा।

प्रणाली के नाम:

परंपरा के अनुसार, इन प्रणालियों के नाम **सूर्य से संबंधित खगोलीय इकाइयों** पर रखे गए हैं। नई HPC प्रणालियों को **'अर्क'** और **'अरुणिका'** नाम दिया गया है, जो सूर्य के साथ इसके संबंध को दर्शाते हैं।

उद्देश्यों और लाभ:

- ☑ **कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग** जैसी प्रौद्योगिकियों के माध्यम से उन्नत मॉडल विकसित करना।
- ☑ **वैश्विक मौसम पूर्वानुमान मॉडल** को बेहतर बनाना, जिससे सटीकता में वृद्धि हो।
- ☑ क्षेत्रीय मॉडलिंग को **1 किमी से कम के रिज़ॉल्यूशन** में सुधारना।
- ☑ **उष्णकटिबंधीय चक्रवात**, भारी बारिश, गर्मी की लहरों, सूखे जैसी **चरम मौसम घटनाओं** की सटीक भविष्यवाणी करना।

उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (HPC):

उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (HPC) एक ऐसी तकनीक है, जो पारंपरिक कंप्यूटरों से कहीं अधिक तेज़ी से जटिल गणनाएं कर सकती है। इसका उपयोग बड़े पैमाने पर **समानांतर प्रोसेसिंग** के लिए किया जाता है, जहां कई कंप्यूटर या प्रोसेसर एक साथ मिलकर किसी बड़े कार्य को पूरा करते हैं।

निष्कर्ष: इस नई प्रणाली का उद्देश्य भारत को **मौसम और जलवायु परिवर्तनशीलता** के प्रति बेहतर ढंग से तैयार करना है, जिससे देश **चरम मौसम की घटनाओं** से निपटने में और अधिक सक्षम हो सकेगा।

HPC की विशेषताएँ:

- ☑ **उच्च गति वाली प्रोसेसिंग पावर:** HPC में अत्यधिक शक्तिशाली प्रोसेसर होते हैं, जो एक साथ कई गणनाएं कर सकते हैं।
- ☑ **उच्च प्रदर्शन वाले नेटवर्क:** कंप्यूटरों के बीच डेटा का तेज़ी से आदान-प्रदान सुनिश्चित करने के लिए HPC में उच्च प्रदर्शन वाले नेटवर्क का उपयोग किया जाता है।
- ☑ **बड़ी मेमोरी क्षमता:** HPC सिस्टम्स में विशाल मेमोरी होती है, जो उन्हें बड़े डेटा सेट के साथ काम करने की अनुमति देती है।

सुपरकंप्यूटर और HPC का संबंध:

सुपरकंप्यूटर एक प्रकार का **HPC कंप्यूटर** है, जो अत्यधिक उन्नत प्रोसेसिंग शक्ति और गति प्रदान करता है। यह बड़े पैमाने पर समानांतर प्रोसेसिंग करके अत्यधिक जटिल कार्यों को तेज़ी से पूरा करता है, जिससे यह HPC का प्रमुख घटक बनता है।

HPC के उपयोग और विकास:

HPC का उपयोग पहले केवल **सिमुलेशन-आधारित वैज्ञानिक अनुसंधान** के लिए किया जाता था, लेकिन हाल के वर्षों में इसका दायरा बढ़कर **सिमुलेशन और मशीन लर्निंग (ML)** तक पहुंच गया है। HPC प्रणालियां अब भौतिकी-आधारित सिमुलेशन और एमएल का संयोजन करके **जलवायु मॉडलिंग, दवा की खोज, प्रोटीन फोल्डिंग,** और **कम्प्यूटेशनल द्रव गतिकी (CFD)** जैसे क्षेत्रों में तेजी से वैज्ञानिक अंतर्दृष्टि प्रदान कर रही हैं।

गैर-अल्कोहलिक फैटी लिवर रोग (NAFLD)

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने **गैर-अल्कोहलिक फैटी लिवर रोग** (**NAFLD**) के उपचार संबंधी संशोधित परिचालन **दिशानिर्देश और प्रशिक्षण मॉड्यूल** जारी किए। यह दिशानिर्देश इस बीमारी से पीड़ित रोगियों की **देखभाल और नतीजों** को सुधारने के उद्देश्य से तैयार किए गए हैं। इन दस्तावेजों में साक्ष्य-आधारित विधियों का उपयोग किया गया है, जो रोग की **बेहतर पहचान, प्रबंधन और रोकथाम** के लिए अत्यधिक सहायक हैं।

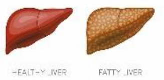

गैर-अल्कोहलिक फैटी लिवर रोग (NAFLD):

गैर-अल्कोहलिक फैटी लिवर रोग (**NAFLD**) एक ऐसी स्थिति है जिसमें **लिवर में वसा** का जमाव होता है, लेकिन यह **शराब के सेवन** के कारण नहीं होता है। यह समस्या अक्सर अधिक **वजन या मोटापे** से ग्रस्त लोगों में देखी जाती है। शुरुआती चरणों में यह रोग अधिक नुकसान नहीं पहुंचाता, लेकिन यदि समय पर इसका पता न लगे तो यह **लिवर को गंभीर क्षति** पहुँचा सकता है, जिसमें **सिरोसिस** जैसी गंभीर बीमारियाँ शामिल हैं।

NAFLD और भारत में इसकी स्थिति:

- ✓ NAFLD भारत में तेजी से **लिवर रोग** का प्रमुख कारण बन रहा है। इसका प्रसार **9% से 32%** तक हो सकता है, जो कि **आयु, लिंग, जीवनशैली और सामाजिक-आर्थिक** स्थिति पर निर्भर करता है।
- ✓ भारत में **गैर-संचारी रोगों** (**NCDs**) से होने वाली **66% से अधिक मौतें** होती हैं, और **NAFLD** उनमें से एक महत्वपूर्ण कारक बन गया है।
- ✓ NAFLD को **2021** में एनसीडी की **रोकथाम और नियंत्रण** के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम में शामिल किया गया, जिससे **भारत** ऐसा कदम उठाने **वाला पहला देश बना।**

दिशानिर्देशों और प्रशिक्षण मॉड्यूल की भूमिका:

- नए दिशानिर्देशों का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को NAFLD की **बेहतर पहचान, रोकथाम और उपचार** के लिए आवश्यक ज्ञान प्रदान करना है।
- यह बहु-विषयक दृष्टिकोण पर जोर देता है, जिससे NAFLD से पीड़ित व्यक्ति को **पूर्ण उपचार और बेहतर देखभाल** मिल सके।
- NAFLD की **रोकथाम और प्रबंधन** के लिए साक्ष्य-आधारित कार्यक्रमों को **स्वास्थ्य सेवाओं** के सभी स्तरों पर लागू करने की क्षमता विकसित की जा रही है।

प्रशिक्षण मॉड्यूल की विशेषताएं:

- ☑ यह मॉड्यूल NAFLD की पहचान, प्रबंधन और रोकथाम के लिए **प्राथमिक स्तर पर स्वास्थ्य पेशेवरों** को आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करता है।
- ☑ इसमें महामारी **विज्ञान, जोखिम कारक, स्क्रीनिंग और नैदानिक प्रोटोकॉल** के साथ-साथ मानकीकृत उपचार दिशानिर्देशों को शामिल किया गया है।
- ☑ मॉड्यूल **जीवनशैली में बदलाव, प्रारंभिक पहचान, रोगी शिक्षा और एकीकृत देखभाल नीतियों** पर जोर देकर स्वास्थ्य परिणामों को बेहतर बनाने में मदद करता है।

ये दिशानिर्देश और प्रशिक्षण मॉड्यूल NAFLD के उपचार में क्रांतिकारी सुधार लाने में मदद करेंगे और इससे जुड़ी मेटाबॉलिक बीमारियों के प्रसार को नियंत्रित करने में सहायक सिद्ध होंगे।

NAFLD के प्रभाव:

- ✓ **मधुमेह** और **हाई ब्लड प्रेशर** जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।
- ✓ यह **हृदय संबंधी समस्याओं** के जोखिम को भी बढ़ा सकता है, विशेष रूप से उन लोगों में जिनमें मधुमेह पहले से मौजूद हो।
- ✓ लिवर में वसा का उच्च स्तर गुर्दे की बीमारियों का भी कारण बन सकता है।

NAFLD के चरण: NAFLD **चार मुख्य चरणों** में विकसित होता है। अधिकांश लोगों में केवल पहला चरण ही विकसित होता है, और उन्हें इसका एहसास भी नहीं होता है। कुछ मामलों में, बिना उपचार के यह स्थिति बिगड़ सकती है और लिवर को स्थायी नुकसान पहुँचा सकती है। इसके चार मुख्य चरण निम्नलिखित हैं:

- ☑ **साधारण फैटी लीवर (स्टीटोसिस):** यह अवस्था तब होती है जब **लिवर की कोशिकाओं** में **वसा जमा** हो जाती है, लेकिन इसका कोई गंभीर प्रभाव नहीं होता। इसका निदान आमतौर पर किसी अन्य परीक्षण के दौरान होता है।
- ☑ **नॉन-अल्कोहलिक स्टीटोहेपेटाइटिस (NASH):** यह NAFLD का एक गंभीर रूप है, जिसमें **लिवर में सूजन** आ जाती है और यह स्थिति लिवर को नुकसान पहुँचा सकती है।
- ☑ **फाइब्रोसिस:** इस चरण में लिवर और उसके आसपास की **रक्त वाहिकाओं के चारों ओर निशान (स्कार) ऊतक** बनने लगते हैं। हालांकि, लिवर अभी भी अपनी सामान्य कार्यक्षमता बनाए रखता है।
- ☑ **सिरोसिस:** यह सबसे गंभीर अवस्था होती है, जिसमें कई वर्षों की **सूजन के बाद लिवर सिकुड़** जाता है, और उसमें स्थायी निशान और गांठें बन जाती हैं। सिरोसिस से लिवर **फेलियर या लिवर कैंसर** हो सकता है।

वैश्विक नवाचार सूचकांक (GII) 2024

हाल ही में **विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (WIPO)** द्वारा **वैश्विक नवाचार सूचकांक (GII) 2024** रिपोर्ट जारी की गई हैं।

वैश्विक नवाचार सूचकांक (GII):

वैश्विक नवाचार सूचकांक (Global Innovation Index - GII) एक वार्षिक रैंकिंग है, जो विभिन्न देशों की नवाचार क्षमता और प्रदर्शन का आकलन करती है। इसे **कॉर्नेल विश्वविद्यालय, INSEAD बिजनेस स्कूल**, और **विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (WIPO)** द्वारा अन्य संस्थानों और संगठनों के साथ साझेदारी में प्रकाशित किया जाता है। यह सूचकांक कई अंतरराष्ट्रीय स्रोतों, जैसे **अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU)**, से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग करता है, जो वस्तुनिष्ठ और व्यक्तिपरक दोनों प्रकार की जानकारी पर आधारित होते हैं।

वैश्विक नवाचार सूचकांक (GII) 2024:

- ✓ **प्रकाशक:** WIPO, कॉर्नेल विश्वविद्यालय, और INSEAD बिजनेस स्कूल द्वारा सह-प्रकाशित।
- ✓ **मानदंड: नवाचार मापने के मानदंडों में संस्थान, मानव पूंजी और अनुसंधान, बुनियादी ढांचा, ऋण, निवेश, संपर्क, ज्ञान का सृजन, अवशोषण और प्रसार, और रचनात्मक आउटपुट** शामिल हैं।
- ✓ **विषय:** 2024 का विषय **"सामाजिक उद्यमिता के बढ़ते महत्व"** पर केंद्रित है, जो सामाजिक और पर्यावरणीय समस्याओं को हल करने के लिए नवाचारी संगठनात्मक मॉडल विकसित करने और लागू करने की प्रक्रिया को रेखांकित करता है।

मुख्य निष्कर्ष:

1. **शीर्ष स्थान पर देश:**
   - **स्विट्ज़रलैंड** ने अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है।
   - इसके बाद **स्वीडन, अमेरिका, और सिंगापुर** का स्थान है।
2. **भारत की स्थिति:**
   - **भारत 133 वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में 39वें स्थान** पर पहुंच गया है (2023 में 40वें स्थान से सुधार)।
   - भारत **निम्न मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्थाओं** और **मध्य तथा दक्षिणी एशिया** क्षेत्र में **प्रथम स्थान** पर है।
   - भारत की ताकत प्रमुख संकेतकों जैसे **आईसीटी सेवा निर्यात, उद्यम पूंजी प्राप्ति**, और **अमूर्त परिसंपत्ति तीव्रता** में निहित है।

सामाजिक उद्यमिता:

- ☑ सामाजिक उद्यमिता सामाजिक और पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने के लिए नवीन मॉडल विकसित करती है, जो लाभ को प्राथमिक उद्देश्य न मानते हुए कार्य करती है।
- ☑ **आर्थिक योगदान:** वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में लगभग **2 ट्रिलियन डॉलर** का योगदान।
- ☑ **रोजगार सृजन:** अनुमान है कि **10-11 मिलियन सामाजिक उद्यम** और लगभग **30 मिलियन सामाजिक उद्यमी** लाखों लोगों को स्थायी आजीविका प्रदान करते हैं।
- ☑ यह **गरीबी, पर्यावरणीय विनाश**, और **नस्लीय एवं सामाजिक अन्याय** जैसी समस्याओं से निपटने में सहायक है।

GII का उद्देश्य और महत्व:

- ✓ यह सूचकांक **2007** में शुरू किया गया था और इसका प्राथमिक उद्देश्य विभिन्न देशों की **नवाचार क्षमता** की तुलना करना है।
- ✓ GII का उपयोग **कॉर्पोरेट और सरकारी अधिकारियों** द्वारा यह समझने के लिए किया जाता है कि किस देश में नवाचार की कितनी संभावनाएं और संसाधन हैं।
- ✓ इस रैंकिंग के जरिये देश अपनी नवाचार नीतियों को बेहतर बनाने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपने स्थान का आकलन करने का प्रयास करते हैं।

WIPO के बारे में:

- ☑ **मुख्यालय: जिनेवा, स्विट्ज़रलैंड।**
- ☑ **उत्पत्ति:** WIPO संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसी है, जो **1967** में स्थापित हुई थी।
- ☑ **उद्देश्य:** संतुलित और सुलभ अंतर्राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा प्रणाली विकसित करना, जो रचनात्मकता को पुरस्कृत करे, नवाचार को प्रोत्साहित करे और आर्थिक विकास में योगदान दे।
- ☑ **सदस्यता: 193 सदस्य** (भारत **1975** से सदस्य है)।
- ☑ **प्रमुख संधियाँ:**
  - औद्योगिक संपत्ति के संरक्षण के लिए **पेरिस कन्वेंशन (1998)।**
  - साहित्यिक और कलात्मक कार्यों के संरक्षण के लिए **बर्न कन्वेंशन (1928)।**
  - **पेटेंट सहयोग संधि (1998)।**

'पर्यटन मित्र और पर्यटन दीदी' पहल

भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय ने **27 सितंबर** को **विश्व पर्यटन दिवस** के अवसर पर एक नई पहल शुरू की, जिसका नाम **'पर्यटन मित्र और पर्यटन दीदी'** रखा गया है। यह पहल प्रधानमंत्री के उस विज़न पर आधारित है, जिसमें पर्यटन को सामाजिक समावेशन, रोजगार और आर्थिक प्रगति के साधन के रूप में सक्षम बनाने पर ज़ोर दिया गया है।

उद्देश्य: 'पर्यटन मित्र और पर्यटन दीदी' पहल का उद्देश्य **समावेशी स्वागत** और **भारतीय संस्कृति** के अद्वितीय अनुभव को साझा करना है, ताकि पर्यटक **अतुल्य भारतीयों** के माध्यम से **अतुल्य भारत** का सजीव अनुभव कर सकें। इस पहल के तहत, पर्यटकों को भारत में अधिक **स्वागतयोग्य, आतिथ्यपूर्ण और यादगार** अनुभव प्रदान किया जाएगा, जिससे वे भारतीय संस्कृति, आतिथ्य और विविधता का गहरा अनुभव प्राप्त कर सकें।

मुख्य उद्देश्य: इस पहल का मुख्य उद्देश्य देश के छह प्रमुख पर्यटन स्थलों पर **पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाना** है। ये स्थल निम्नलिखित हैं:

- ओरछा (मध्य प्रदेश)
- गंडीकोटा (आंध्र प्रदेश)
- बोधगया (बिहार)
- आइज़ोल (मिजोरम)
- जोधपुर (राजस्थान)
- श्री विजयपुरम (अंडमान-निकोबार द्वीप समूह)

पहल की विशेषताएँ:

- ☑ **पर्यटन मित्र और पर्यटन दीदी:** इन व्यक्तियों को **स्थानीय एंबेसडर और कहानीकार** के रूप में प्रशिक्षित किया जा रहा है, जो पर्यटकों के साथ सकारात्मक बातचीत कर सकें।
- ☑ **शिक्षा और जागरूकता: कैब चालक, ऑटो चालक, होटल कर्मचारी, पुलिसकर्मी, टूर गाइड, दुकानदार,** और अन्य लोगों को **पर्यटन, स्वच्छता, सुरक्षा, और आतिथ्य** से संबंधित विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।
- ☑ **स्थानीय गाथाओं और पर्यटन की जानकारी:** इन व्यक्तियों को स्थानीय गाथाओं और अनदेखे पर्यटन स्थलों के बारे में भी जानकारी दी जा रही है ताकि वे पर्यटकों को विशेष अनुभव दे सकें।

महिलाओं और युवाओं पर विशेष जोर: महिलाओं और युवाओं को विशेष रूप से प्रशिक्षित किया जा रहा है ताकि वे **हेरिटेज वॉक, फूड टूर, क्राफ्ट टूर, नेचर ट्रेक** जैसे पर्यटन उत्पाद विकसित कर सकें। इसका उद्देश्य उन्हें **होमस्टे मालिक, सांस्कृतिक गाइड, प्राकृतिक गाइड,** और अन्य पर्यटन भूमिकाओं में रोजगार के अवसर प्रदान करना है।

डिजिटल साक्षरता: पर्यटन मित्र और दीदी को **डिजिटल उपकरणों** का उपयोग करना भी सिखाया जा रहा है ताकि वे अपने अनुभवों को **राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय** स्तर पर साझा कर सकें।

डिजिटल साक्षरता: पर्यटन मित्र और दीदी को **डिजिटल उपकरणों** का उपयोग करना भी सिखाया जा रहा है ताकि वे अपने अनुभवों को **राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय** स्तर पर साझा कर सकें।

अब तक की उपलब्धियाँ:

- ☑ इस पहल के अंतर्गत अभी तक **3,000 से अधिक लोगों** को प्रशिक्षित किया जा चुका है, जिससे वे पर्यटन मित्र बन चुके हैं।
- ☑ यह पहल स्थानीय लोगों में **पर्यटन से जुड़े इकोसिस्टम** का हिस्सा बनने के लिए उत्साह पैदा कर रही है।

मान्यता और पहचान: पर्यटन मंत्रालय द्वारा गंतव्यों पर इन **पर्यटन मित्रों और दीदी** को विशेष पहचान और बैज दिए जाएंगे, जिससे पर्यटकों को उनके साथ सुरक्षित और बेहतरीन अनुभव का आश्वासन मिलेगा।

निष्कर्ष: **'पर्यटन मित्र और पर्यटन दीदी'** पहल से पर्यटन स्थलों पर न केवल पर्यटकों के अनुभव में सुधार होगा, बल्कि स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर भी प्राप्त होंगे, जिससे **स्थानीय अर्थव्यवस्था** को बढ़ावा मिलेगा।

भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने साइलो परियोजनाओं के साथ भंडारण और परिवहन बुनियादी ढांचे को मजबूत किया

भारतीय खाद्य निगम (FCI) ने **100 दिन की उपलब्धियों** के तहत **सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल** के अंतर्गत कई **अत्याधुनिक साइलो परियोजनाओं** को सफलतापूर्वक विकसित किया है। ये परियोजनाएँ भारत की **खाद्यान्न आपूर्ति श्रृंखला** को आधुनिक बनाने और भंडारण और परिवहन के कुशल प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण हैं।

मुख्य परियोजनाएँ:

1. **दरभंगा साइलो परियोजना (बिहार)**:
   - **विकासकर्ता:** अडानी एग्री लॉजिस्टिक्स (दरभंगा) लिमिटेड
   - **मॉडल:** DBFOO
   - **भंडारण क्षमता:** 50,000 मीट्रिक टन
   - **परियोजना पूर्णता:** अप्रैल 2024
   - **विशेषता:** समर्पित रेलवे साइडिंग
2. **समस्तीपुर साइलो परियोजना (बिहार)**:
   - **विकासकर्ता:** अडानी एग्री लॉजिस्टिक्स (समस्तीपुर) लिमिटेड
   - **भंडारण क्षमता:** 50,000 मीट्रिक टन
   - **परियोजना पूर्णता:** मई 2024
3. **साहनेवाल साइलो परियोजना (पंजाब)**:
   - **विकासकर्ता:** लीप एग्री लॉजिस्टिक्स (लुधियाना) प्राइवेट लिमिटेड
   - **भंडारण क्षमता:** 50,000 मीट्रिक टन
   - **परियोजना पूर्णता:** मई 2024
   - **विशेषता:** स्थानीय किसानों को भंडारण सुविधा
4. **बड़ौदा साइलो परियोजना (गुजरात)**:
   - **विकासकर्ता:** लीप एग्री लॉजिस्टिक्स (बड़ौदा) प्राइवेट लिमिटेड
   - **भंडारण क्षमता:** 50,000 मीट्रिक टन
   - **परियोजना पूर्णता:** मई 2024
5. **छेहरटा साइलो परियोजना (पंजाब)**:
   - **विकासकर्ता:** एनसीएमएल छेहरटा प्राइवेट लिमिटेड
   - **भंडारण क्षमता:** 50,000 मीट्रिक टन
   - **परियोजना पूर्णता:** मई 2024
6. **बटाला साइलो परियोजना (पंजाब)**:
   - **विकासकर्ता:** एनसीएमएल बटाला प्राइवेट लिमिटेड
   - **भंडारण क्षमता:** 50,000 मीट्रिक टन
   - **परियोजना पूर्णता:** जून 2024

साइलो परियोजनाओं की विशेषताएँ:

- ☑ **भंडारण क्षमता** में वृद्धि
- ☑ अनाज के **बेहतर संरक्षण** और **नुकसान में कमी**
- ☑ **स्वचालित प्रणाली** और बेहतर गुणवत्ता नियंत्रण
- ☑ **मशीनीकृत लोडिंग और अनलोडिंग** सुविधाएँ
- ☑ **संचालन लागत में कमी**
- ☑ **रेल और सड़क** परिवहन से सीधा संपर्क

FCI का प्रयास:

इन साइलो परियोजनाओं का उद्देश्य **खाद्य सुरक्षा** सुनिश्चित करना, **भंडारण और परिवहन बुनियादी ढाँचे** को सुधारना और **नुकसान में कमी** लाना है। आधुनिक तकनीक से लैस ये साइलो किसानों के लिए बेहतर खरीद सुविधाएँ और खाद्यान्न का संरक्षण सुनिश्चित करते हैं।

भारतीय खाद्य निगम (FCI):

भारतीय खाद्य निगम (FCI) की स्थापना **खाद्य निगम अधिनियम 1964** के तहत की गई थी, जिसका उद्देश्य भारत की **खाद्य नीति** के महत्वपूर्ण लक्ष्यों को पूरा करना था। FCI का मुख्य कार्य **किसानों के हितों की सुरक्षा, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा** सुनिश्चित करना और **खाद्यान्न वितरण प्रणाली** को प्रभावी बनाना है।

अतुल्य भारत कंटेंट हब और डिजिटल पोर्टल

भारत सरकार के **पर्यटन मंत्रालय** ने **27 सितंबर 2024** को **विश्व पर्यटन दिवस** के अवसर पर नए सिरे से तैयार किए गए **अतुल्य भारत डिजिटल पोर्टल** पर **अतुल्य भारत कंटेंट हब** की शुरुआत की है। यह कंटेंट हब एक **व्यापक डिजिटल संग्रह** है, जिसमें भारत के पर्यटन से संबंधित **उच्च गुणवत्ता वाली छवियां, फिल्में, ब्रोशर, और समाचार पत्र** शामिल हैं। इसका उद्देश्य विभिन्न हितधारकों जैसे **टूर ऑपरेटर, पत्रकार, छात्र, शोधकर्ता, फिल्म निर्माता, लेखक, और सरकारी अधिकारी** आदि को एक ही स्थान पर आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना है।

मुख्य विशेषताएं:

- **अतुल्य भारत कंटेंट हब** - यह हब लगभग **5,000 सामग्री एसेट्स** का एक समृद्ध संग्रह है, जिसमें **पर्यटन मंत्रालय, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, संस्कृति मंत्रालय और अन्य संगठनों** के योगदान से प्राप्त सामग्री शामिल है।
- **नया अतुल्य भारत डिजिटल पोर्टल** - यह पर्यटक-केंद्रित **वन-स्टॉप डिजिटल समाधान** है, जो यात्रियों को उनकी यात्रा के हर चरण में मदद करता है। इसमें जानकारी, **बुकिंग, और यात्रा के दौरान सहायक सुविधाएं उपलब्ध** कराई जाती हैं।
- **फीचर्स** - यह **पोर्टल वीडियो, छवियां, डिजिटल मानचित्र और यात्रा** जानकारी प्रदान करता है। **'बुक योर ट्रैवल' सुविधा से उड़ानों, होटलों, कैब, और स्मारकों** के लिए बुकिंग की सुविधा मिलती है। साथ ही, एआई-संचालित चैटबॉट यात्रियों को वास्तविक समय में सहायता करता है।
- **भविष्य की योजनाएं** - पोर्टल में नई सुविधाओं को जोड़ने और कंटेंट को **क्राउडसोर्सिंग** के माध्यम से बढ़ाने के लिए विभिन्न संगठनों और संस्थानों के साथ साझेदारी की जा रही है, जिससे इसे और अधिक उपयोगी और प्रेरणादायक बनाया जा सके।

यह पहल भारत के पर्यटन को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने और यात्रियों को एक **बेहतरीन डिजिटल** अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है।

पर्यटन मंत्रालय के बारे में :

पर्यटन मंत्रालय भारत में पर्यटन के विकास और संवर्द्धन के लिए एक केंद्रीय नोडल एजेंसी है। यह मंत्रालय **केंद्रीय पर्यटन मंत्री** और **राज्य मंत्री** के नेतृत्व में कार्य करता है और इसके द्वारा देश में पर्यटन से संबंधित नीतियों और कार्यक्रमों को तैयार करने का कार्य किया जाता है। इसके साथ ही, यह **विभिन्न केंद्रीय और राज्य सरकारी एजेंसियों, संघ शासित प्रदेशों, और निजी क्षेत्र** के बीच समन्वय करता है, ताकि पर्यटन का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके।

मंत्रालय की संरचना:

- **सचिव (पर्यटन)** मंत्रालय के प्रशासनिक प्रमुख हैं और वे मंत्रालय के **दिन-प्रतिदिन के कार्यों** का निरीक्षण करते हैं।
- **महानिदेशक (पर्यटन)** का **कार्यालय नीतियों और कार्यक्रमों** को लागू करने के लिए कार्यकारी दिशा-निर्देश प्रदान करता है।

मंत्रालय के अधीन कार्यालय और परियोजनाएं:

- पर्यटन महानिदेशालय के **देश भर में 20 फील्ड कार्यालय** हैं, जो पर्यटकों को जानकारी प्रदान करने और विभिन्न फील्ड परियोजनाओं की निगरानी करने के लिए जिम्मेदार हैं।
- **इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ स्कीइंग एंड माउंटेनियरिंग (IISM)** और **गुलमर्ग विंटर स्पोर्ट्स परियोजना (GWSP)** जैसे अधीनस्थ कार्यालय पुनः शुरू किए गए हैं। ये कार्यालय जम्मू और कश्मीर घाटी में स्की और अन्य पर्वतारोहण पाठ्यक्रम चलाते हैं।

मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयां:

- **भारत पर्यटन विकास निगम (ITDC)** - यह एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है, जो पर्यटन क्षेत्र से संबंधित विभिन्न सेवाएं और सुविधाएं प्रदान करता है।
- **भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंधन संस्थान (IITTM)** - यह एक स्वायत्त संस्थान है, जो पर्यटन और यात्रा प्रबंधन के क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्रदान करता है।
- **राष्ट्रीय जल खेल संस्थान (NIWS)** - यह जल खेलों से संबंधित पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया है।
- **होटल प्रबंधन और कैटरिंग टेक्नोलॉजी के लिए राष्ट्रीय परिषद (NCHMCT)** - यह परिषद होटल प्रबंधन और कैटरिंग टेक्नोलॉजी के संस्थानों के लिए दिशा-निर्देश और मानकों को निर्धारित करती है।

यह मंत्रालय देश में **पर्यटन को बढ़ावा देने** और इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के उद्देश्य से विभिन्न **योजनाओं और कार्यक्रमों को लागू** करता है।

गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय

गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय (डीजीक्यूए) ने 27 सितंबर, 2024 को अपना **68वां स्थापना दिवस** मनाया, जो रक्षा क्षेत्र में इसकी महत्वपूर्ण यात्रा का प्रतीक है। डीजीक्यूए का मुख्य उद्देश्य **भारतीय सेना के हथियारों, उपकरणों और भंडारों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना** है। यह संगठन **कड़े गुणवत्ता मानकों** को लागू करने और बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे भारत की रक्षा तैयारियों को मजबूती मिलती है।

डीजीक्यूए का पुनर्गठन:

भारत की **रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता** बढ़ाने और **व्यापार सुगमता** को प्रोत्साहित करने के लिए डीजीक्यूए में **बड़े सुधार** किए जा रहे हैं। इस पुनर्गठन का मुख्य उद्देश्य **गुणवत्ता आश्वासन प्रक्रियाओं** और **परीक्षणों** को तेज करना, और निर्णय लेने के स्तरों को कम करना है।

पुनर्गठित ढांचे की प्रमुख विशेषताएँ:

- ✓ **सभी उपकरणों और हथियार प्लेटफॉर्म** के लिए एकल बिंदु तकनीकी सहायता।
- ✓ **उत्पाद आधारित गुणवत्ता आश्वासन** में एकरूपता।
- ✓ पारंपरिक निरीक्षण प्रणाली से हटकर **रोकथाम आधारित गुणवत्ता आश्वासन** और **जोखिम कम करने** पर ध्यान केंद्रित।

रक्षा परीक्षण और मूल्यांकन में सुधार:

- डीजीक्यूए ने **रक्षा परीक्षण और मूल्यांकन** को प्रोत्साहित करने के लिए एक **अलग निदेशालय** स्थापित किया है। इसका उद्देश्य **परीक्षण सुविधाओं** का पारदर्शी आवंटन सुनिश्चित करना है।
- **प्रूफ रेंज** और **लैब्स** की सुविधाओं का उपयोग अब घरेलू निजी उद्योगों द्वारा भी किया जा सकता है, जो 'व्यापार सुगमता' को बढ़ावा देगा।

नवाचार और डिजिटलीकरण:

- ☑ डीजीक्यूए ने **नवीन तकनीकों** और **गुणवत्ता आश्वासन कार्यप्रणालियों** को लागू करके उभरती चुनौतियों का सामना किया है।
- ☑ **गुणवत्ता आश्वासन प्रक्रियाओं** के **स्वचालन** और **डिजिटलीकरण** से रक्षा उद्योग की डीजीक्यूए के साथ संलग्नता को और भी मजबूत बनाया गया है।

निष्कर्ष: डीजीक्यूए ने भारतीय सेना के लिए **गुणवत्ता सुनिश्चित करने** में अत्यधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके **पुनर्गठन और सुधार** से न केवल **गुणवत्ता मानकों** में सुधार होगा, बल्कि यह **रक्षा उद्योग** के साथ सहयोग को भी बढ़ाएगा, जिससे **भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता** को और बल मिलेगा।

राष्ट्रीय कैरियर सेवा (NCS) पोर्टल

केंद्रीय श्रम मंत्रालय और अमेज़न ने भारत में नौकरी के अवसरों को बढ़ाने के लिए **राष्ट्रीय कैरियर सेवा (NCS) पोर्टल** का लाभ उठाने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता रोजगार की उपलब्धता और समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

समझौता ज्ञापन के मुख्य बिंदु:

- ✓ **अवधि:** यह समझौता ज्ञापन प्रारंभ में **दो साल के लिए** निर्धारित किया गया है।
- ✓ **नौकरी रिक्तियां:** अमेज़न और इसकी **थर्ड पार्टी स्टाफिंग एजेंसियां** नियमित रूप से एनसीएस पोर्टल पर रोजगार संबंधी रिक्तियों को पोस्ट करेंगी।
- ✓ **जॉब फेयर: मॉडल करियर सेंटर (MCC)** में जॉब फेयर का आयोजन किया जाएगा, जहां रोजगार के इच्छुक व्यक्ति अमेज़न की भर्ती टीमों के साथ सीधे बातचीत कर सकेंगे।
- ✓ **समावेशिता पर ध्यान:** यह साझेदारी **महिलाओं और दिव्यांग उम्मीदवारों** के लिए विशेष रूप से रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देती है।

एनसीएस पोर्टल से लाभ:

- ✓ **रोजगार के अवसर:** एनसीएस पोर्टल के माध्यम से रोजगार पाने के इच्छुक व्यक्तियों को अमेज़न जैसे **बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म** तक पहुंच प्राप्त होगी।
- ✓ **स्थानीय भर्ती: समझौता रसद, प्रौद्योगिकी, और ग्राहक सेवा** जैसे क्षेत्रों में स्थानीय भर्ती को बढ़ावा देगा।
- ✓ **करियर में उन्नति:** अमेज़न जैसे प्रतिष्ठित ब्रांड के साथ काम करने के अवसर भी प्रदान करेगा।

अमेज़न के लिए लाभ:

- **विविधता में वृद्धि:** अमेज़न और उसकी **स्टाफिंग एजेंसियां एनसीएस पोर्टल** से विविध प्रतिभा पूल का उपयोग करेंगी, जिसमें **महिलाएं और विकलांग** व्यक्ति शामिल हैं।
- **डेटाबेस एकीकरण:** मंत्रालय अमेज़न को एक **कुशल प्रौद्योगिकी इंटरफेस** के माध्यम से उम्मीदवारों तक पहुंच प्रदान करेगा।
- **नौकरी मेले:** मंत्रालय देशभर में नौकरी मेले आयोजित करने में अमेज़न की सहायता करेगा, जिससे संभावित कर्मचारियों के साथ संपर्क सुनिश्चित होगा।

एनसीएस पोर्टल:

- ☑ **परिवर्तनकारी मंच:** एनसीएस पोर्टल **जुलाई 2015** से रोजगार परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण बदलाव लाने वाला प्लेटफॉर्म है।
- ☑ **सेवाएं:** यह **रोजगार की खोज, करियर संबंधी परामर्श, पेशेवर मार्गदर्शन, और कौशल विकास** के संसाधन प्रदान करता है।

भारत 6G अलायंस

भारत सरकार 6G अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है, ताकि **2030 तक भारत 6G प्रौद्योगिकी और विनिर्माण** में एक प्रमुख योगदानकर्ता बन सके। इस उद्देश्य के लिए, **सरकार उद्योग, स्टार्ट-अप, शैक्षणिक संस्थान, अनुसंधान प्रयोगशालाएँ, मानकीकरण निकाय**, और अन्य संबंधित पक्षों को एकीकृत कर रही है।

दूरसंचार विभाग ने **1 नवंबर 2021** को **प्रौद्योगिकी नवाचार समूह (TIG-6G)** की स्थापना की, जिसमें विभिन्न मंत्रालयों, शोध एवं विकास संस्थानों, और उद्योग के सदस्य शामिल हैं। **TIG-6G ने 6G** के लिए एक रोडमैप विकसित करने के लिए छह टास्क फोर्स का गठन किया है, जो विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर कार्यरत हैं।

1. **टास्क फोर्स का गठन :** छह कार्यबलों की रिपोर्टों के आधार पर, **TIG-6G द्वारा भारत 6G विजन दस्तावेज** तैयार किया गया है।
2. **भारत 6G विजन स्टेटमेंट:"6G नेटवर्क प्रौद्योगिकियों को डिजाइन**, विकसित और तैनात करना जो दुनिया के लिए उच्च गुणवत्ता वाले जीवन अनुभव के लिए **सर्वव्यापी, बुद्धिमान और सुरक्षित कनेक्टिविटी** प्रदान करते हैं।"

यह विज़न आत्मनिर्भरता, स्थिरता और सर्वव्यापीता पर आधारित है, और यह सुनिश्चित करता है कि भारत वैश्विक भलाई में महत्वपूर्ण योगदान दे सके।

3. **शीर्ष परिषद - भारत 6G मिशन :** भारत 6G मिशन के उद्देश्यों को निर्धारित करने और **अनुसंधान एवं नवाचार मार्गों** का सुझाव देने के लिए एक शीर्ष परिषद का गठन किया गया है। यह परिषद अंतर्राष्ट्रीय मानकों और मंचों के साथ सहयोग में भागीदारी भी सुनिश्चित करेगी।
4. **भारत 6G मिशन:** यह मिशन नवाचारों और नए विचारों को सामने लाने के लिए भारतीय **स्टार्टअप्स, कंपनियों, और अनुसंधान संस्थानों** के सहयोग से संचालित किया जाएगा। मिशन को दो चरणों में पूरा किया जाएगा:
   - **चरण 1:** 2023-2025
   - **चरण 2:** 2025-2030

5. **भारत 6G अलायंस (B6GA) :** भारत 6जी गठबंधन (B6GA) **घरेलू उद्योग, शैक्षणिक संस्थान, और मानक संगठनों** का एक गठबंधन होगा। B6GA निम्नलिखित पर ध्यान केंद्रित करेगा:
   - **5G और 6G आईपी और पेटेंट बढ़ाना।**
   - **भारतीय 5G/6G उत्पादों का डिजाइन और निर्माण।**
   - **भारतीय स्टार्टअप्स का संघ बनाना और बाजार पहुंच सुगम बनाना।**

माओ नागा जनजाति

मणिपुर में **माओ नागाओं** की शीर्ष **जनजातीय संस्था, माओ काउंसिल,** ने **नागालैंड-मणिपुर सीमा** पर पारंपरिक भूमि विवाद से संबंधित **तेनीमिया पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन (टीपीओ)** की अध्यक्षीय परिषद के निर्णय और आदेश को आधिकारिक रूप से स्वीकार कर लिया है।

माओ नागा जनजाति:

माओ नागा **पूर्वोत्तर भारत** की एक **स्वदेशी जनजाति** है, जो मणिपुर की नागा जनजातियों में से एक है। ये लोग अपने सांस्कृतिक और ऐतिहासिक मूल्यों के लिए प्रसिद्ध हैं।

2. भाषा और पहचान:

- **भाषा:** माओ नागा अपनी भाषा को **"माओ"** कहते हैं।
- वे अपनी भाषा में स्वयं को **"एमेमी" या "मेमेई"** कहते हैं।
- **भौगोलिक स्थिति:** माओ नागा **मणिपुर** के उत्तरी भाग में बसे हैं, जो **नागालैंड** के दक्षिणी भाग से सटा हुआ है।

3. जनसंख्या: 2011 की अनंतिम जनगणना के अनुसार, माओ नागाओं की जनसंख्या 97,195 है।

4. निवास और समाज:

- **गाँव:** माओ नागा लोग **सघन एवं सुरक्षित गाँवों** में रहते हैं, जो आमतौर पर **पहाड़ी की चोटी और पर्वत श्रृंखलाओं** में स्थित होते हैं।
- **पितृसत्तात्मक व्यवस्था:** उनका समाज **पितृसत्तात्मक** है, जहाँ वंश का पता **पुरुष वंश** से चलता है।
- **कुल विभाजन:** माओ नागा विभिन्न **कुलों (ओपफुटा)** में विभाजित हैं, जिन्हें आगे **उप-कुलों** में बाँटा गया है।

5. अर्थव्यवस्था:

- **कृषि आधारित:** माओ नागाओं की अर्थव्यवस्था मुख्यतः **कृषि** पर आधारित है, और **चावल** उनका मुख्य भोजन है।
- **खेतों की प्रथा:** वे **सीढ़ीनुमा चावल की खेती (शुष्क और गीली दोनों)** में लगे हुए हैं, जो एक पारंपरिक प्रथा है।
- **वितरण प्रणाली:** माओ लोग सहकारी और सामूहिक प्रयासों पर जोर देते हैं और **वस्तु विनिमय प्रणाली** में विश्वास रखते हैं।

6. धर्म:

- **पारंपरिक धर्म:** ईसाई धर्म के आगमन से पहले, माओ नागा का अपना पारंपरिक धर्म था जिसे **"ओप्फुपे चुना-चुनो"** (पूर्वजों का धर्म) कहा जाता था।
- **सर्वोच्च सत्ता:** वे **"इयी कोकी चुकु कपि ओरामेइ"** (एक दयालु ईश्वर जो मनुष्य की रक्षा और पोषण करता है) नामक सर्वोच्च सत्ता में विश्वास करते हैं।
- **ईसाई धर्म:** आज, अधिकांश माओ नागा लोग **ईसाई धर्म अपना** चुके हैं।

7. त्यौहार: माओ नागाओं द्वारा मनाए जाने वाले चार मुख्य त्यौहार हैं:

- **चुथुनी , चुजुनी, सलेनी, ओनुनी**

इन त्यौहारों के माध्यम से माओ नागा अपनी सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखते हैं और सामुदायिक एकता को प्रोत्साहित करते हैं।

केंद्रीय रेशम बोर्ड (सीएसबी)

केंद्रीय कपड़ा मंत्री, श्री **गिरिराज सिंह** ने मैसूर में **केंद्रीय रेशम बोर्ड (सीएसबी)** की प्लेटिनम जयंती के अवसर पर एक **स्मारक सिक्के** का अनावरण किया। इस अवसर पर, सीएसबी ने भारत के रेशम उद्योग के विकास में अपने **75 वर्षों** की समर्पित सेवा को गर्व के साथ चिह्नित किया।

केंद्रीय रेशम बोर्ड (सीएसबी):

केंद्रीय सिल्क बोर्ड की स्थापना **8 मार्च 1945 को इंपीरियल सरकार** द्वारा गठित सिल्क पैनल की सिफारिशों के आधार पर की गई थी, जिसका उद्देश्य रेशम उद्योग के विकास की जांच करना था। स्वतंत्र भारत की सरकार ने **20 सितंबर 1948** को **सीएसबी अधिनियम 1948** को लागू किया। इसके तहत **9 अप्रैल 1949** को संसद के एक अधिनियम (एलएक्सआई) द्वारा **केंद्रीय रेशम बोर्ड (सीएसबी)** की स्थापना की गई, जो एक वैधानिक निकाय है।

सीएसबी की गतिविधियाँ:

सीएसबी रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) के लिए एकमात्र संगठन है और यह **26 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों** में विकास कार्यक्रमों का समन्वय करता है। इसके अनिवार्य कार्यों में शामिल हैं:

- **अनुसंधान एवं विकास**
- **चार स्तरीय रेशमकीट बीज उत्पादन नेटवर्क का रखरखाव**
- **वाणिज्यिक रेशमकीट बीज उत्पादन में नेतृत्व**
- **उत्पादन प्रक्रियाओं में गुणवत्ता मानकीकरण**
- **रेशम उद्योग से संबंधित मामलों पर सरकारी सलाह**

सीएसबी की ये गतिविधियाँ **159 इकाइयों** के माध्यम से निष्पादित की जाती हैं।

अनुसंधान एवं विकास: सीएसबी के अनुसंधान एवं विकास संस्थानों ने **51 से अधिक रेशमकीट हाइब्रिड, 20 उच्च उपज** देने वाले मेजबान पौधों की किस्में, और **68 से अधिक पेटेंट प्रौद्योगिकियों** का विकास किया है। इसके अनुसंधान प्रयासों का परिणाम यह है कि भारत में स्वदेशी स्वचालित रीलिंग मशीनों का निर्माण शुरु हुआ, जो पहले चीन से आयात की जाती थीं।

प्रगति और प्रभाव: केंद्रीय रेशम बोर्ड की पहलों के फलस्वरूप, भारत ने रेशम उद्योग में उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्तमान में, **भारत विश्व में दूसरा सबसे बड़ा रेशम उत्पादक देश** बन चुका है, और इसकी वैश्विक उत्पादन में हिस्सेदारी **1949 में 6% से बढ़कर 2023 में 42%** हो गई है। कच्चे रेशम का उत्पादन **1949 में 1,242 मीट्रिक टन से बढ़कर 2023-24 में 38,913 मीट्रिक** टन हो गया है।

आर्थिक आंकड़े:

- ☑ **रेशम उत्पादन में सुधार:** 1949 में **रेंडिटा 17** था, जो **2023-24 में 6.47** हो गया।
- ☑ **शहतूत के बागानों की प्रति हेक्टेयर उत्पादकता: 15 किलोग्राम** से बढ़कर **110 किलोग्राम** हो गई।
- ☑ **रेशम निर्यात में वृद्धि: 1949-50 में 0.41 करोड़ रुपये** से **बढ़कर 2023-24 में 2,028 करोड़** रुपये हो गई।

सर्पिल आकाशगंगा (Spiral Galaxy)

हाल ही में, **नासा** के **हबल स्पेस टेलीस्कोप** ने **कैलडवेल 45**, जिसे **एनजीसी 5248** भी कहा जाता है, नामक एक **सर्पिल आकाशगंगा** का एक अद्भुत वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में इस आकाशगंगा की संरचना और सौंदर्य को बारीकी से दिखाया गया है।

सर्पिल आकाशगंगाएँ:

सर्पिल आकाशगंगाएँ तारे और गैस के घुमावदार संग्रह होती हैं, जिनका आकार अक्सर **बेहद आकर्षक** होता है। ये **युवा और गर्म तारों** से भरी होती हैं।

विशेषताएँ:

- ✓ **सर्पिल संरचना:** सर्पिल आकाशगंगाओं में **तारे, गैस, और धूल सर्पिल भुजाओं** में व्यवस्थित होते हैं, जो आकाशगंगा के केंद्र से बाहर की ओर फैली होती हैं।
- ✓ **प्रमुखता:** अब तक खोजी गई अधिकांश आकाशगंगाएं सर्पिल हैं, जिनमें **लगभग 60% आकाशगंगाएं इस श्रेणी** में आती हैं।
- ✓ **उदाहरण:** हमारी मिल्की वे आकाशगंगा एक **प्रमुख सर्पिल आकाशगंगा** का उदाहरण है।

संरचना: सर्पिल आकाशगंगाओं की संरचना में निम्नलिखित प्रमुख तत्व शामिल होते हैं:

- **केंद्र का उभार:** अधिकांश सर्पिल आकाशगंगाओं में एक **केंद्रीय उभार** होता है, जो **पुराने और मंद तारों** से बना होता है। यह उभार एक अतिविशाल **ब्लैक होल के आस-पास** स्थित होता है।
- **सर्पिल भुजाएँ:** तारों की **डिस्क चारों** ओर घूमती हैं और आकाशगंगा की भुजाओं में विभाजित होती हैं, जिनमें **गैस और धूल का भंडार** होता है।
- **युवा तारे:** सर्पिल भुजाओं में युवा तारे होते हैं, जो जल्दी जलते हैं और उनकी **चमक में कमी** आती है।

गतिशीलता और द्रव्यमान:

- ☑ **घूर्णन:** अधिकांश सर्पिल आकाशगंगाएँ घूर्णन की दिशा **में अपनी भुजाओं** को मोड़ती हैं।
- ☑ **प्रभामंडल:** सर्पिल आकाशगंगाओं का दृश्य भाग उनके **कुल द्रव्यमान का केवल एक छोटा हिस्सा** होता है। ये एक व्यापक प्रभामंडल से घिरी होती हैं, जिसमें **अधिकांशत: अंधकारमय पदार्थ** होता है।

निष्कर्ष : सर्पिल आकाशगंगाएँ, जैसे कि **कैलडवेल 45**, न केवल हमारे ब्रह्मांड के विभिन्न पहलुओं को समझने में मदद करती हैं, बल्कि वे **आकाशीय सौंदर्य** का एक शानदार उदाहरण भी पेश करती हैं। हबल स्पेस **टेलीस्कोप के अद्भुत चित्रण** के माध्यम से, हम इन अद्भुत संरचनाओं की **जटिलता और खूबसूरती** का अनुभव कर सकते हैं।

SSC TEST SERIES
CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,
Stenographer (Grades C & D)
Only at
99/-Year
Enroll Now !

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

APNI PATHSHALA

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

299/- YEAR

RO/ARO
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

BPSC
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

SSC (TEST SERIES)
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

RPF (TEST SERIES)
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

Download | Application
Apni Pathshala
7878158882

Apni.Pathshala | Avasthiankit
AnkitAvasthiSir | kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

2024
GA FOUNDATION
RECORDED BATCH
Apni Pathshala
Subject
HISTORY ,POLITY
GEOGRAPHY
ECONOMICS
Price
1499/-
Validity
1 Year
By Ankit Avasthi Sir

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per
Year
Buy Now